हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 17 मार्च 2025

11 खेलों से होता है सर्वांगीण विकासः डॉ. वीरेंद्र शास्त्री

12 अटेली अनाज मंडी का धर्मकांटा चालू नहीं, किसान निजी कांटों...

MR SCHOOL
Affiliated to CBSE
MITTERPURA | ATELI
A Name of Dedication, Hardwork and Sincerity
॥ तमसो मा ज्योतिर्गमय ॥
कोटा की FACULTY अब MR SCHOOL ATELI में
JEE / NEET COACHING with KOTA Faculty Experts
ADMISSION OPEN
Session 2025-26
अब MR में स्कूल व कोचिंग साथ-साथ
SAMBHAV CLASSES
VI to X Foundation Classes
XI to XII JEE / NEET
Special Coaching for CLAT / NDA CA-CPT OLYMPIAD
MITTERPURA, NARNAUL (HR.)
9466945658, 9416903367
mrps530543@gmail.com www.mrpublicschool.com
NARNAUL ROAD, ATELI MANDI
8278085868, 9416903367
mrpsateli@gmail.com www.mrpsateli.in

कांवी स्कूल के शारीरिक शिक्षक ने आठ घंटे अतिरिक्त सेवाएं देकर विद्यार्थियों में तराशी खेल प्रतिभा

- स्टेट लेवल की दौड़ में जीते गोल्ड मेडल
- स्कूल की ड्यूटी से पहले चार घंटे ग्रामीण युवा व शाम को छात्राओं के लिए खेलकूद प्रशिक्षण का किया विशेष प्रबंध
- युवाओं को आर्मी व पुलिस के फिजिकल टेस्ट पास करने में मिली मदद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

स्वयं दीपक बनकर दूसरों की राहों में उजाला करना ही सार्थक जीवन होता है। यह साबित किया है राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सेवारत शारीरिक शिक्षक अखिलेश तंवर ने। जिन्होंने स्कूल की ड्यूटी के साथ ग्रामीण युवाओं का भविष्य संवारने का बीड़ा उठाया है। उनके प्रयासों से स्कूली विद्यार्थियों को स्टेट स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में गोल्ड मेडल जीतने में कामयाबी मिली है। वहीं दूसरी तरफ 22 से अधिक युवा फिजिकल टेस्ट क्लीयर करके आर्मी व पुलिस विभाग में चयनित हुए हैं। जिससे शारीरिक शिक्षक अन्य स्टॉफ सदस्यों के लिए प्रेरणास्रोत बने हुए हैं।

आपको बता दें कि महेंद्रगढ़ जिले में व्यवसायिक संस्थान नहीं है, उच्च स्तरीय तकनीकी शिक्षा की सुविधा भी उपलब्ध नहीं। जिस कारण ग्रामीण युवाओं का रूझान आर्मीए सीआईएसएफ, सीआरपीएफ या पुलिस विभाग की तरफ बढ़ने लगा है, लेकिन इसके लिए लिखित परीक्षा पास करने के बाद फिजिकल टेस्ट क्वालीफाई करना अनिवार्य है। अधिकांश गांवों में खेल स्टेडियम या पर्याप्त ग्राउंड नहीं है। जिस कारण उन्हें अभ्यास करना संभव नहीं हो पाता। समस्या की जानकारी मिलने पर कांवी स्कूल में सेवारत डीपीई अखिलेश तंवर ने ग्रामीणों के सहयोग से ग्राउंड व संसाधनों का प्रबंध किया।

नांगल चौधरी। ग्राउंड में युवाओं को शारीरिक अभ्यास कराते डीपीई अखिलेश तंवर। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीणों की निगरानी में लड़के और लड़कियों के अलग अलग समय पर शारीरिक अभ्यास का शेड्यूल बनाया। इसके बाद सुबह पांच से 7:30 बजे तक गांव के युवाओं को दौड़, लॉन्ग जंप, हाईजंप व अन्य कसरत करानी आरंभ की। जिसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आने आरंभ हो गए। बीते दिनों नारनौल में जिला स्तरीय मैराथन का आयोजन हुआ। जिसमें कांवी स्कूल के 55 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था। छात्रा कोमल व अंजली ने पांच किलोमीटर लंबी रेस में प्रथम स्थान हासिल करके गांव का नाम रोशन किया है। इसके अलावा डीपीई के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने स्टेट लेवल की एथलीट मीट में प्रथम स्थान अर्जित करके संस्था का गौरव बढ़ाया है। भोपाल में 2022 में आयोजित राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में स्कूल के विद्यार्थियों ने 1500 मीटर, तीन किलोमीटर व छह किलोमीटर की दौड़ में गोल्ड मेडल जीतकर रिकार्ड बनाया है। बीते महीने राज्य स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने लगातार दूसरी साल प्रथम स्थान हासिल करके डीपीई के प्रयासों को सार्थक साबित किया है।

युवाओं में अनुशासन व प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ी

सरपंच नित्यानंद यादव, डा. बलराज यादव, अमित कुमार ने बताया कि ग्राउंड के निर्माण व संसाधनों के प्रबंध में ग्रामीणों का बड़ा योगदान रहा है। मुनीराम यादव ने ग्राउंड निर्माण व रिटायर्ड आइएएस विनय सिंह यादव तथा रिटायर्ड कमीश्नर मानसिंह यादव ने प्रेक्टिस करने वाले युवाओं को ट्रेक शूट, जूते व अन्य संसाधन उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने बताया कि डीपीई के प्रयासों से युवाओं मे अनुशासन व प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित हुई है।

लड़कियों में बढ़ा खेलों का जुनून

खेलकूद प्रतियोगिताएं पहले लड़कों तक ही सिमित थी, लेकिन डीपीई अखिलेश तंवर के प्रयासों से लड़कियों में खेल और शारीरिक अभ्यास का जुनून पैदा हुआ है। स्कूल की छात्राओं ने 5000 मीटर से लेकर 15 किलोमीटर लंबी मैराथन में प्रथम स्थान अर्जित करके गांव का नाम रोशन किया है। पहले करीब 30 महीने तक कमानिया स्कूल में सेवाएं दी है। वहां भी डीपीई ने ग्रामीणों की मदद से ग्राउंड तैयार करवाकर सैकड़ों युवाओं का शारीरिक अभ्यास कराया था। यहां से तबादला होने पर ग्रामीणों ने स्कूल की तालाबंदी करके रोष जताया था।

खबर संक्षेप

दिव्यांग से मारपीट मामला दर्ज

कनीना। गांव सिहोर में आयोजित बाबा ब्रह्मचारी मेले में आए दिव्यांग व्यक्ति से मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया है। इस बारे में पीड़ित व्यक्ति संतोष कुमार ने सिटी थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह दिव्यांग है, 13 मार्च को गांव में आयोजित मेले में कबड्डी प्रतियोगिता करवाई जा रही थी। जिसे वह भी कुर्सी पर बैठकर देख रहा था। रात्रि दस बजे गांव का ही युवक साहिल वहां आया ओर कुर्सी को धक्का मारकर उसे गिरा दिया। इसके बाद में उसने लात घुसों से मारपीट की। बव्वा के ऋषिराज ने बीच बचाव किया। आरोपित युवक उसे धमकी देकर चला गया।

भाजपा नेता पर फसल चोरी करने का आरोप

नांगल चौधरी। नांगल चौधरी में एक स्थानीय भाजपा नेता व उसके भाई पर फसल चोरी करने के आरोप सामने आए हैं। पीड़ित पक्ष ने पुलिस को शिकायत देकर फसल बरामद करने व दोषी के खिलाफ कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। पुलिस को दी शिकायत में ब्रिजेश सैनी ने बताया कि उन्होंने बहरोड़ रोड पर स्थित जाट धर्मशाला के सामने खेत में सरसों बोई थी। फसल कटाई से करीब तीन चार दिन पहले भाजपा नेता रमेश तंवर व उसका भाई सुरेश मिला था। जिन्होंने फसल नहीं काटने की हिदायत दी थी। इसके बाद बीते कल सरसों की कटाई के लिए खेत में गए तो वहां सरसों पहले की कटी हुई मिली। नजदीक एक संस्थान में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पाया की एक स्कार्पियों गाड़ी व ट्रैक्टर में मजदूर आए हैं और पूरी फसल की लावणी करके ट्रॉली में भरकर ले गए।

इस साल के अंत तक पूरा होने की उम्मीद

नारनौल से रेवाड़ी के बीच डीएफसी के अलावा सवारी गाड़ियों के लिए तैयार किया जा रहा है डबल ट्रैक

डबल लाइनें तैयार होने पर क्रॉसिंग के समय ट्रेन रोकने की समस्या से मिलेगा छुटकारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

रेवाड़ी से नारनौल के बीच फिलहाल सिंगल सवारी लाइन बिछी हुई है और इस लाइन के सिंगल लाइन होने के कारण रेल क्रॉसिंग की समस्या से जूझना पड़ता है। रेल क्रॉसिंग की वजह से जहां ट्रेनों के आवागमन में देरी होती है, वहीं इसका खामियाजा यात्रियों को उठाना पड़ा है। इस कारण कई बार उनकी अगली रेल से कनेक्टीविटी छूट जाती है और रेल मिस हो जाती है, जिसका उन्हें आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है, लेकिन रेवाड़ी से नारनौल से रेवाड़ी के बीच शीघ्र ही डबल लाइनें बिछा दी जाएंगी और इस कार्य को इस साल के अंत तक पूरा कर लिए जाने की प्रबल संभावना है। इससे क्रॉसिंग समेत सिंगल लाइन के कारण आने वाली तमाम समस्याओं से छुटकारा मिल जाएगा। फिलहाल डबल लाइन का निर्माण जोरों पर चला हुआ है।

उल्लेखनीय है कि रेवाड़ी-नारनौल-रींगस रेलवे ट्रैक मालगाड़ियों के हिसाब से काफी महत्वपूर्ण रेलमार्ग है, जो देश की राजधानी दिल्ली से सीधे आर्थिक राजधानी मुंबई से जोड़ता है। इस लाइन को डेडीकेट फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) के नाम से जाना है, जो एक छोर से दूसरे छोर तक पूरी तरह से डबल लाइनें हैं और इस डीएफसी ट्रेक को केवल मालगाड़ियों के लिए आरक्षित किया गया है और जब मालगाड़ी इस पर चलती हैं तो उन्हें क्रॉसिंग के समय रोकने की जरूरत नहीं होती और वह बस चलती ही रहती हैं। इससे मालवाहक गाड़ियों का जहां समय बचता है, वहां माल गुड़ाई का कार्य बड़ी तेजी से होता है। जिससे खाद्यान्न एवं दूसरी जरूरत की चीजें एक स्थान से दूसरे स्थान तक सप्लाई करने में बड़ी मदद मिली है और सामान तेजी से पहुंचाना काफी आसान हो गया है। यहां गौर करने वाली बात है कि मालगाड़ियों का आवागमन तो सरल एवं सुगम हो गया, लेकिन सवारी गाड़ियां पिछड़ गई, जबकि लोगों का समय बचाना भी उतना ही जरूरी था। इस बात को रेल यात्रियों ही नहीं, रेलवे अधिकारियों समेत केंद्र सरकार ने भी महसूस किया, जिस पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत 16 फरवरी 2024 को रेवाड़ी जिले के कुंड-माजरा क्षेत्र में एम्स का शिलान्यास करते हुए इस डबल रेल लाइन जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट की भी आधारशिला रखी। तभी से डबल रेल लाइन का निर्माण चल रहा है। वरना अब तक रेवाड़ी से नारनौल के बीच रेलवे ट्रेक सिंगल था, लेकिन अब उसका दोहरीकरण किया जा रहा है। इससे रेलगाड़ी क्रासिंग की समस्या हल हो सकेगी तथा ट्रेन बिना रोके एक-दूसरे को क्रॉस कर सकेंगी।

नारनौल। रेललाइन बिछाने के लिए डाले गए स्लीपर। फोटो : हरिभूमि

दो फेज में चल रहा ट्रेक निर्माण

रेवाड़ी और राजस्थान के अलवर जिलों को जोड़ने वाले रेवाड़ी-काठूवास रेल खंड का दोहरीकरण किया जाना है। रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा रेलमार्ग पर आने वाले इस रेल खंड पर अभी तक एक ही रेल लाइन है, जिसकी वजह से इस व्यस्त रेल मार्ग पर ट्रेनों के परिचालन में परेशानी होती है। इस रेल खंड के दोहरीकरण से ट्रेनों के परिचालन में सुगमता आएगी और ट्रेनों की गति भी बढ़ेगी। रेवाड़ी से काठूवास के बीच की दूरी लगभग 27.73 किलोमीटर है तथा इस हिस्से के निर्माण के लिए सरकार ने वित्त वर्ष 2022-23 में 352 करोड़ रुपए मंजूर किए हुए हैं। इसके पश्चात काठूवास-नारनौल ट्रेक का दोहरीकरण किया जाएगा। काठूवास एवं नारनौल के बीच की दूरी लगभग 24.12 किलोमीटर है और सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 में इसके लिए 313 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत किया हुआ है। इस दोनों रेल खंडों का निर्माण किस्तों में किया जाएगा।

सैनिक बाहुल्य क्षेत्र के यात्रियों को मिलेगा लाभ

नारनौल समेत समूचे अहीरवाल क्षेत्र को इस डबल रेल लाइनों से बड़ा भारी फायदा होने वाला है, क्योंकि सैनिक बाहुल्य इस क्षेत्र में रहने वाले सेना के जवानों को देश के एक कौने से दूसरे कौने तक रेलवे के जरिए आवागमन में आसानी हो सकेगी। रेल लाइनों का दोहरीकरण होने के पश्चात उन्हें नारनौल से दिल्ली पहुंचने में ज्यादा समय नहीं लगेगा, जहां से उन्हें देशभर में कहीं भी जाने के लिए ट्रेनें उपलब्ध रहती हैं। इससे आम रेलयात्रियों को भी फायदा मिलेगा, क्योंकि इस क्षेत्र के अन्य लोग भी रेलयात्रा को खूब पसंद करते हैं।

665 करोड़ का रखा है बजट

यहां बता दें कि नारनौल से रेवाड़ी तक के करीब 51.85 किलोमीटर में रेलवे लाइन का दोहरीकरण किया जा रहा है, जिसके लिए लगभग 665 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया गया है। रेवाड़ी से शुरू किया गया रेल दोहरीकरण का कार्य कुंड, काठूवास के बीच पूरा हो चुका है तथा फिलहाल अटेली में इस पर तेजी से काम चल रहा है।

रेवाड़ी से फुलेरा तक है सिंगल ट्रेक

रेलवे का सिंगल ट्रेक रेवाड़ी से लेकर फुलेरा तक बना हुआ है, जिसकी लगभग 215 किलोमीटर दूरी है। इसी सिंगल ट्रेक को केंद्र सरकार ने डबल करने की योजना बनाई हुई है, जिसे किस्तों में तैयार किया जाएगा। फिलहाल रेवाड़ी से नारनौल के बीच ही लाइनों का दोहरीकरण किया जा रहा है। शेष भाग भी अलग-अलग चरणों में पूरा किया जाएगा।

यह बोले अधिकारी

रेल लाइनों के दोहरीकरण में जुटे डिप्टी चीफ इंजीनियर राकेश शेरसिया कुमार ने बताया कि फिलहाल रेलवे दोहरीकरण पर कार्य चल रहा है तथा यह अटेली तक लगभग पूरा कर लिया है। रेलवे ट्रेक डालने के साथ ही बिजली लाइनें एवं सिंगल भी तैयार किए जा रहे हैं। नारनौल तक रेलवे लाइनों का मैटीरियल डाल दिया गया है और इस साल के अंत तक इसे पूरा कर लिया जाएगा। इसके तैयार होने पर यात्रियों का समय बच सकेगा।

फसल खरीद में अवैध गतिविधियों को लेकर अंतरराज्यीय पुलिस की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा राज्य के महेंद्रगढ़ जिले के थाना नांगल चौधरी व पड़ोसी राज्य राजस्थान के थाना पनियाला पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ थाना पनियाला में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य फसल खरीद सत्र के दौरान अंतरराज्यीय समन्वय को मजबूत करना और कृषि उपज की अवैध आवाजाही तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करना था।

महेंद्रगढ़ पुलिस व राजस्थान पुलिस ने आगामी खरीद सत्र की तैयारियों व संभावित चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में थाना नांगल चौधरी प्रबंधक निरीक्षक देवेंद्र सिंह व थाना पनियाला प्रबंधक एसआई मोहर सिंह तथा अन्य पुलिस कर्मचारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान अनेक मुद्दों पर सहमति बनी। जिसके तहत फसल खरीद से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अवैध परिवहन की सूचना को तुरंत एक दूसरे के साथ सांझा किया जाएगा। इसके लिए एक समर्पित संचार तंत्र स्थापित किया जाएगा। सीमावर्ती क्षेत्रों में संयुक्त पुलिस नाकाबंदी व गश्त को बढ़ाया जाएगा, ताकि अवैध रूप से अनाज की आवाजाही को रोका जा सके। अपराध नियंत्रण व सूचना साझा करने के लिए तकनीकी माध्यमों का अधिक से अधिक उपयोग किया जाएगा।

बैठक में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि किसानों के हितों की रक्षा व फसल खरीद प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अंतरराज्यीय समन्वय को और मजबूत करने तथा किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को सख्ती से रोकने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यह बैठक फसल खरीद सत्र को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

नारनौल। बैठक करते पुलिस अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

राष्ट्रीय सड़क मार्ग के साइड में कचरा डालने की शिकायत पर एसडीएम का कड़ा संज्ञान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

ढाणी बाठोठा के पास नेशनल हाईवे की साइड में कूड़ा कचरा डाला जा रहा है। जिससे रास्ता बंद होने के कारण स्कूली विद्यार्थियों को हाईवे पर चलना पड़ता हैं। जहां दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। शिकायत मिलने पर एसडीएम रमित यादव ने पंचायत को पत्र लिखकर कूड़े को तत्परता से उठवाने के निर्देश दिए हैं। बीडीपीओ को मौका निरीक्षण करने के आदेश दिए गए हैं, ताकि विद्यार्थियों को स्कूल आने जाने में कोई जोखिम नहीं रहे।

- रास्ता बंद होने के कारण स्कूली विद्यार्थियों को हाईवे पर पड़ता है चलना दुर्घटना का बना रहता है अंदेशा

आपको बता दें कि ढाणी बाठोठा की विभागीय स्कूल में दसवीं तक कक्षाएं लगती हैं। जिसमें 200 से अधिक विद्यार्थियों के दाखिले पंजीकृत हैं। गांव से करीब 500 मीटर की दूरी पर स्थित स्कूल का गेट सड़क मार्ग से टच है। विद्यार्थियों को पैदल ही स्कूल जाना होता है, लेकिन बीते दिनों गांव के ही कुछ लोगों ने सड़क के किनारे पर कूड़ा डालना शुरू कर दिया। कूड़े का फैलाव सड़क तक पहुंच गया। जिससे बच्चों का स्कूल मार्ग बंद हो चुका है। बच्चों को हाईवे पर पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता है। इस दौरान दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है।

नांगल चौधरी। हाइवे के किनारे पर अतिक्रमण का निरीक्षण करते एसडीएम रमित यादव। फोटो : हरिभूमि

दो दिनों में 555 वाहनों की चेकिंग, 6.35 लाख की पेनल्टी वसूली

अवैध खनन व खनिज के अवैध परिवहन पर लगातार हो रही कड़ी कार्रवाई

- ट्रैक्टर ट्रॉली को अनलोड करके भागने के प्रयास को टीम ने किया असफल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

खनन एवं भू विज्ञान विभाग के महनिदेशक केएम पांडुरंग के निर्देशानुसार अवैध खनन के खिलाफ कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। जिला महेंद्रगढ़ में पुलिस के सहयोग से जिला प्रशासन व खनन विभाग की ओर से पिछले दो दिनों में 555 वाहनों की चैकिंग के दौरान दो वाहनों के चालान कर 6.35 लाख रुपये की पेनल्टी एवं रॉयल्टी वसूली की कार्रवाई की।

उपायुक्त डा. विवेक भारती ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में पुलिस को साथ लेकर जिला प्रशासन की संयुक्त टीम छुट्टियों के दिनों में भी लगातार फील्ड में रही तथा खनन से जुड़े मामलों पर कड़ी नजर रखी गई।

उपायुक्त ने कहा कि यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। शुक्रवार व शनिवार को चले इस अभियान के बारे में जानकारी देते हुए जिला खनन इंजीनियर डा. राजेश कुमार ने बताया कि शुक्रवार की रात व शनिवार को टीम ने जिला के विभिन्न क्षेत्रों में 555 वाहनों की चैकिंग की। शुक्रवार को राजस्थान की तरफ से अवैध तरीके से बिना बिल रोड़ी लेकर आ रहे एक डंपर को पकड़ा। कागजात चेक करने के बाद टीम ने इस पर 4.20 लाख रुपये के पेनल्टी तथा रॉयल्टी वसूली की कार्रवाई शुरू की।

उन्होंने बताया कि इसी प्रकार शनिवार को एक ट्रैक्टर ट्रॉली को अवैध तरीके से राजस्थान की ओर से बजरी लाते हुए देखा गया। इस पर टीम ने इस ट्रैक्टर ट्रॉली का पीछा किया। मौके का फायदा उठाकर ट्रैक्टर ट्रॉली चालक रास्ते में ही ट्राली को खाली कर दिया तथा ट्रैक्टर ट्रॉली को लेकर भागने की कोशिश की। इस पर पुलिस की टीम ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत मौके पर ही ट्रैक्टर ट्रॉली को अपने कब्जे में ले लिया। इस पर भी विभाग की ओर से 2.15 लाख रुपये की पेनल्टी तथा रॉयल्टी वसूली की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

नारनौल। खनिज के अवैध परिवहन में पकड़े गए वाहन। फोटो : हरिभूमि

साहित्य

बहुत प्रलाप करने से क्या लाभ है? इस चराचर जगत में जो कोई भी वस्तु है वह गणित के बिना नहीं है / उसको गणित के बिना समझा नहीं जा सकता।

- श्रीनिवास रामानुजन

दिव्या चींखी- 'ना घर बसाऊँगी, ना तुम्हारे बेटे को तलाक दूँगी। वो रहे कहीं भी, मुझे उसकी परवाह नहीं। उसके साथ अब मेरा निबाह नहीं होगा। तुम्हारे भी नाक में दम रखूँगी और उसकी बहनों और रिश्तेदारों तक को परेशान करती रहूँगी। मुझे ढेरों तकलीफें उठानी पड़े लेकिन उसे अब इस घर में घुसने नहीं दूँगी। प्राइवेट स्कूल से सरकारी स्कूल में बच्चों को चाहे भर्ती कराना पड़े, लेकिन तुम्हारे लिए दिल में रहम नहीं रखूँगी।

कहानी

डा. सुरेश वशिष्ठ

अहंकार

दिव्या ने ससुराल का घर छोड़ा और किराए पर टू-रूम सैट लेकर रहने लगी। दोनों बच्चे और पति मजबूर हुए और उसके साथ रहने को चले आए। पति का नाम शैलेंद्र था। उसने सोचा-'दिव्या की जिद अलग रहने की है तो यही ठीक, घर का क्लेश तो मिटेगा?' उसे पत्नी के साथ रहना पड़ा। दोनों बच्चे प्राइवेट स्कूल में पढ़ने लगे। फीस का जिम्मा शैलेंद्र पर था।

दिन बीतने लगे लेकिन दिव्या का अहंकार खत्म नहीं हुआ। शैलेंद्र अपने माता-पिता से मिलने चला जाए तो क्लेश, बच्चों को दादा-दादी के पास ले जाए तो कलह। उसने दिव्या को बहुत समझाया लेकिन वह नहीं बदली।

शैलेंद्र दो बहनों का इकलौता भाई था। दोनों बहनें शादीशुदा थीं और अपनी ससुराल में उन्हें कोई कष्ट भी नहीं था। लेकिन बूढ़े और परेशान माँ-बाप की फिक्र में घुली जा रही थी। भाई-भाभी को समझाने के अनेक प्रयास हुए लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। एक रोज, शैलेंद्र माता-पिता से मिलने गया तो रात पत्नी के पास वापस नहीं पहुँचा। अगले दिन, सुकून की तलाश में वह कहीं और चला गया। पत्नी की तरफ से उसका मन खिन्न हो चुका था। पति घर नहीं लौटा तो दिव्या को चिंता हुई। पन्द्रह-बीस दिन बीत गए शैलेंद्र नहीं आया।

बच्चों के स्कूल से क्लास टीचर ने फीस का पुर्जा बनाकर बड़े लड़के की कॉपी में रख दिया। दिव्या ने पुर्जा देखा तो पैसों की चिंता हुई। पति को फोन मिलाया, फोन स्विच ऑफ था। ऐसे कई दिनों तक वह फोन मिलाती रही लेकिन पति से कोई बात नहीं हुई। शैलेंद्र ने फोन उठाया ही नहीं। थक-हारकर दिव्या ने सास को फोन मिला दिया। सास ने 'हैलो' कहा तो दिव्या के चुभन से भरे तीखे बोल सुनाई पड़े- 'कहां है वह, पन्द्रह-बीस दिन से कुछ अता-पता नहीं है। बच्चों की फीस और मकान का रैंट देना है, क्या करूँ?'

सास बोली- 'घर आकर पैसे ले जा, उसका तो हमें भी पता नहीं। तुम लोग जब से घर छोड़कर गए हो, हमें किसी की कुछ खबर नहीं है। नहीं जानते कि तुम कैसे हो और कहाँ रह रहे हो? यही तो कलह है कि तुम आपसी तकरार खत्म करना क्यों नहीं चाहते? तुम उसकी गलती निकालती हो और वह तुम्हारी! सामान बाँधों और बच्चों को लेकर घर लौट आओ। उसका जब मन चाहेगा तो लौटकर आ जाएगा।'

'नहीं, एक बार जिस घर को छोड़कर चली आई, अब वहाँ मुझे नहीं आना।' दिव्या का अहम जाग उठा था। सास समझाने लगी- 'पति से बनाकर रखने में ही भलाई है। तुम्हें सास-ससुर में कमी दिखती है तो पति के अनुसार ही ढल जाओ! उसकी हो-कर ही रहने लगो? घर से दूसरे नगर इसीलिए गए थे कि चैन से रहोगे। अब पति से भी नहीं बन रही तो हमारा इसमें कहाँ दोष है।'

'दोष तो तुम सबों में है। मेरे कहे अनुसार चलोगे तो ठीक, नहीं तो तुम्हें भी चैन से रहने नहीं दूँगी। मैं नहीं चाहती कि तुम्हारे बेटे के साथ रहूँ लेकिन मेरी मजबूरी है। बच्चों को लेकर जाऊँ कहाँ, और बच्चों को मुझसे छीनने की सोचना भी मत। चाहे कैसे भी, मुझमें हिम्मत है। उन्हें किसी तरह पाल ही लूँगी। जिन के पिता मर जाते हैं, बच्चे तो उनके भी पलते हैं।'

'बड़ों से बात करने का सलीका समझ लो, ओछी सोच घर बिगाड़ देती है। मानती हूँ, मेरा जाया भी बददिमाग है। उसे भी आगे के बारे में कुछ नहीं सूझ रहा लेकिन कम तुम भी नहीं हो ! तुम पर जब क्रोध हावी होता है, तुम चुडैल दिखाई देती हो। और गालियाँ बकती हो तो असहनीय हो जाता है। अभी वक्त है, सुधर जाओ। अपना घर खराब मत करो। अहंकार का त्याग कर डालो और गृहस्थ बनकर जीना सीख लो?'

दिव्या चींखी- 'ना घर बसाऊँगी, ना तुम्हारे बेटे को तलाक दूँगी। वो रहे कहीं भी, मुझे उसकी परवाह नहीं। उसके साथ अब मेरा निबाह नहीं होगा। तुम्हारे भी नाक में दम रखूँगी और उसकी बहनों और रिश्तेदारों तक को परेशान करती रहूँगी। मुझे ढेरों तकलीफें उठानी पड़े लेकिन उसे अब इस घर में घुसने नहीं दूँगी। प्राइवेट स्कूल से सरकारी स्कूल में बच्चों को चाहे भर्ती कराना पड़े, लेकिन तुम्हारे लिए दिल में रहम नहीं रखूँगी। ऐसा पति जो मेरी ना सुने, मुझे नहीं चाहिए।'

शैलेंद्र सरकारी स्कूल में टीचर थे। कुछ दिन बीते कि एक रोज दिव्या शैलेंद्र के स्कूल पहुँच गई।

शैलेंद्र और दिव्या क्रोध की अग्नि में ऐसे झुलसे कि चेहरे और अंतस पर झुलसने के निशान साफ दिखाई पड़ने लगे। शैलेंद्र के माँ-पिता ने स्वयं को निपूता मान लिया और घर-बार बेचकर किसी दूसरे शहर में जा बसे। दोनों लड़कियाँ उनकी देखभाल करती रही।

इत्तफाक कि उस दिन शैलेंद्र स्कूल नहीं आया था। उसकी जुबान खुल गई। प्रिंसिपल, स्टाफ के टीचर्स और एक-आध बाहरी लोगों के सामने वह खूब दहाड़ी। झूठे-सच्चे आरोप लगाकर उसने पति की इज्जत को तार-तार कर दिया। लोग हैरान थे, उन्होंने तो सोचा भी नहीं था कि शैलेंद्र की पत्नी इतनी झगड़ालू और बदतमीज है। हालात में बजाए सुधार होने के और खराबी आ गई।

प्रिंसिपल से दिव्या ने कहा- 'शैलेंद्र की तनख्वाह मेरे बच्चों के स्कूली बैंक खातों में ट्राँसफर कर दिया करें।'

प्रिंसिपल बोले- 'यह मेरे बस में नहीं, तनख्वाह तो शैलेंद्र के बैंक खाते में ही जाएगी।' दिव्या दहाड़ी- 'लफंगा है वह। पूरे महीने की तनख्वाह को आवारागर्दी में खर्च कर डालता है।' शैलेंद्र की पत्नी के मुख से यह सब कहने का किसी को यकीन नहीं हुआ। फिर बोलने के लहजे पर आश्चर्यचकित भी सभी थे। प्रिंसिपल ने दो टूक कह दिया- 'आप कुछ भी कहें, शैलेंद्र की तनख्वाह तुम्हें नहीं दी जा सकती। तुम्हारा आपसी मनमुटाव क्या है, हमें उससे कोई मतलब नहीं।'

'कोर्ट अगर कहे, तब भी नहीं?' दिव्या बोली। 'कोर्ट का निर्देश तो मान्य होगा। वहाँ से अगर आदेश हुआ, तो देखेंगे। आगे क्या होना है, क्या नहीं, यह तो समय ही तय करेगा?' प्रिंसिपल ने स्पष्ट कर दिया। उसका अहंकार बाहर आया- 'मेरे पिता पुलिस में अफसर हैं। झूठे-सच्चे दोष मढ़कर मैं उसके पूरे परिवार को कुटवा दूँगी। तब तो, तनख्वाह मेरे बच्चों के खाते में आएगी न?'

'नहीं, पुलिस के कहने से नहीं। कोर्ट अगर आदेश करे तो मुमकिन है। पुलिस के लिखे को हम नहीं मानेंगे। आपको इसके बारे में ज्ञान नहीं है। यह सरकारी महकमा है, यहाँ सब काम नियम के हिसाब से होते हैं।' प्रिंसिपल बोले।

'मैं पहले पुलिस में रिपोर्ट करती हूँ, फिर देखा जाएगा कि आप क्या मानेंगे और क्या नहीं। अब मुझे उसके साथ नहीं रहना है। हाँ, बच्चे पैदा किए हैं, मुझसे शादी की है, तो उसे खर्चा तो देना ही पड़ेगा?'

एक बुजुर्ग टीचर कहने लगे- 'शैलेंद्र से नहीं बनती तो अलग हो जाओ, तलाक ले लो। बच्चों को खुद पाल सकते हो तो ठीक, नहीं तो कस्टडी पिता पर छोड़ो।'

'ज्ञान मत बाँटो, मुझे जो करना है, वही मैं करूँगी। और शैलेंद्र आए तो उसे कह भी देना- 'आखिरी छोर तक पीछा नहीं छोड़ने वाली। तेरे माँ-बाप, तेरी बहनें और रिश्तेदारों तक को फँसाकर रहूँगी।' और दहाड़ती हुई वह चली गई।

शैलेंद्र और दिव्या क्रोध की अग्नि में ऐसे झुलसे कि चेहरे और अंतस पर झुलसने के निशान साफ दिखाई पड़ने लगे। शैलेंद्र के माँ-पिता ने स्वयं को निपूता मान लिया और घर-बार बेचकर किसी दूसरे शहर में जा बसे। दोनों लड़कियाँ उनकी देखभाल करती रही। झगड़े हुए, फसाद बढ़े, कोर्ट-कचहरी भी हुआ लेकिन फैसला सहज नहीं हो सका, पूरे दस साल बीत गए।

एक दिन, गर्मी की दोपहर थी। मोटर-साइकिल पर शैलेंद्र स्कूल से घर लौट रहा था। मंथन में विगत प्रभावी था। अकस्मात हृदय की गति बढ़ी और मोटर-साइकिल समेत वह खाई में जा गिरा। सांसों की ड़ोर छूट गई। अंत समय, ना माँ-बाप पास में थे, ना बहनें, ना पत्नी, ना हीं बच्चे और ना कोई नाते-रिश्तेदार! जिस गाँव में रहते थे। वहीं पर उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

दिव्या को पता चला तो एक बारगी वह काँप गई। लेकिन अहम पुनः आड़े आन खड़ा हुआ। फिर जाने अचानक क्या हुआ कि वह हँसती चली गई। उसे खुद का होश नहीं रहा। दिन बीते तो दिव्या भूल गई कि कहाँ उसका घर है, कहाँ बसेरा है। कुछ समय तक तो बच्चे उसे ढूँढकर घर लाते रहे लेकिन बाद के दिनों में, उन्होंने भी उसे उसी के हाल पर छोड़ दिया।

दिव्या जब अट्हास करती है, दिशाएँ गूँजने लगती हैं लेकिन अब, कोई सुनने वाला पास में नहीं है। ना उसके पिता को कुछ फर्क पड़ा और ना ही माँ को। कभी वह रो देती है और कभी सिसकती है।

उस सिसकन में, उसका विगत उसे मुँह चिढ़ाता है। राह चलते लोग उसकी तरफ से मुँह फेर लेते हैं।

कविता | **नरेश शांडिल्य**

चांद पर तितली

कैसी प्यारी लग रही है चाँद पर तितली
इक परी-सी लग रही है चाँद पर तितली

आसमानी-सी ग़ज़ल में चाँद ऊला-सा
उसका सानी लग रही है चाँद पर तितली

चाँद के सँग चाँदनी के शुभ-शगुन जैसी
'फेंग्शुई'-सी लग रही है चाँद पर तितली

तीरगी का गहरा सागर, चाँद कश्ती-सा
उसका माँझी लग रही है चाँद पर तितली

देखकर अनगिन सितारे अपने चारों ओर
खोई-खोई लग रही है चाँद पर तितली

कविता | **वीरेंद्र मधुर**

ये भारत की शान है प्यारे

ये भारत की शान है प्यारे इसके रंग सुहाने,
सत्य सनातन की गाथा को विश्व लगा दोहराने।

ये भगीरथ के जप तप का पावन गंगा तट है,
ये अमृत की बूंदों वाली महादेव की लट है।
भक्ति में शक्ति पाने को गंगा चलो नहाने।

वर्षों की घनघोर प्रतिक्षा संतों ने की चिंता,
धर्म बचाने की कोशिश में पाई भिक्षा दीक्षा।
भारत की स्वर्णिम राहों पर गाओ नए तराने।

दिव्य देव दर्शन में उमड़े सत्य सनातन लोग,
मधुर मौसमी चली हवाएं बना ग्रह संयोग।
राम कृष्ण की धरती पर नए बसंत को जाने।।

कविता | **प्रो. प्रविंद्र बांगड़**

कोई अनबन नहीं है

कोई अनबन नहीं है हम में, बस अब मन नहीं है।

न कोई शिकवा, न कोई गिला, बस मन का हाल बदला मिला।
न दूरियाँ बढ़ीं, न नजदीकियाँ हुई कम, बस एहसास हो गए हैं कुछ मद्धम।

एक दिल था जो हँसता बहुत था, वो भी अब कहीं खो गया।
जो प्यार था कभी हमारा, वो भी अब हमसे कहीं खो गया।

तुमसे कोई शिकायत नहीं, न ही कोई अधूरी चाहत रही।
मैं खुद को ही समझ रहा हूँ, ख़ामोशी से कुछ ढूंढ रहा हूँ।

रिश्तों को अब जबरन थामना नहीं,जो बह जाए, उसे रोकना नहीं।
भावनाएँ वैसी ही हैं बदलती नहीं, पर राहें भी तो पहले जैसी नहीं।

अब न कोई उलझन, न कोई भार, अब बस मन उलझा और लाचार।
जो बीत गया, वो सपना सही, अब खुद को पाने की यात्रा सही।

बस अब खुद को पहचानना है , अब खुद से सब सुलझाना है।

लघु कथा | **कुसुम**

एक अनमोल रिश्ता

छोटे से गाँव की एक लड़की थी, जिसे शिक्षक शब्द से बेहद लगाव था। उसे पढ़ाई का शौक था, मगर संसाधनों की कमी और हालातों के चलते मुश्किल से बी.ए. में दाखिला मिल पाया। पहले साल तो वह कॉलेज जाती रही, मगर फिर कोरोना महामारी ने सब कुछ ठहर सा दिया। महीनों तक ऑनलाइन क्लास चलीं, लेकिन जब हालात सामान्य हुए, तो कॉलेज फिर से खुल गए। कॉलेज का पहला ही दिन था जब उसे पता चला कि इंग्लिश की एक नई मैम ने जॉइन किया है। पहले पीरियड में वही क्लास लेने आईं। गाँव से आई लड़की की अंग्रेज़ी थोड़ी कमजोर थी, मगर समझने की कोशिश करती थी। पहली ही क्लास में जब मैम ने धाराप्रवाह अंग्रेज़ी में पढ़ाना शुरू किया, तो उसे लगा कि यह विषय उसके लिए कठिन होने वाला है। घबराहट में वह हेड टीचर के पास भी चली गई कि उसके लिए किसी और शिक्षक को लगा दिया जाए। मगर एक ही दिन में ऐसा संभव नहीं था, और क्लास जारी रही। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, लड़की को इंग्लिश मैम की क्लास में मज़ा आने लगा। उनके पढ़ाने का तरीका अलग था-सरल, रोचक और प्रेरणादायक। धीरे-धीरे लड़की को अहसास हुआ कि यह विषय मुश्किल नहीं, बल्कि बेहद सुंदर और समझने योग्य है। मैम सिर्फ़ एक शिक्षिका नहीं रहीं, बल्कि उसकी सबसे पसंदीदा टीचर बन गईं। अब वह बेसब्री से उनके पीरियड का इंतजार करने लगी।

ऐसा लगता मानो समय ठहर जाए और वह बस सुनती ही रहे। समय अपनी रफ़्तार से बढ़ता रहा, और देखते ही देखते बी.ए. का आखिरी सेमेस्टर भी आ गया। पूरे कॉलेज में फेयरवेल पार्टी की तैयारियाँ चल रही थीं। मगर इस खुशी के माहौल में लड़की के दिल में अजीब सी उदासी थी। आख़िरी दिन जब मैम क्लास में आईं, तो पूरी कक्षा भावुक हो गई। किसी की आँखों में खुशी थी, तो किसी की आँखों में आँसू। मैम ने सबको ढेरों शुभकामनाएँ दीं। वह दिन बीत गया, मगर रिश्ते नहीं। लड़की और उसकी पसंदीदा टीचर के बीच का संबंध समय के साथ और भी गहरा होता गया। अब हर सुबह एक मैसेज दोनों तरफ़ से आता-'गुड मॉर्निंग, मैम!' गुड मॉर्निंग बच्चें' यह केवल शब्द नहीं थे, बल्कि उस निस्वार्थ प्रेम और समर्पण का प्रतीक थे, जो एक शिक्षक और शिष्य के बीच होता है। क्योंकि कुछ रिश्ते किताबों के पन्नों की तरह होते हैं, जो भले ही बंद हो जाएँ, मगर उनकी यादें हमेशा दिल में बसी रहती हैं...।

आधुनिक युग में साहित्य के सामने चुनौतियों को लेकर डा. संतोष गर्ग का कहना है कि वर्तमान में साहित्य की स्थिति बहुत अच्छी है। हालांकि मोबाइल और इंटरनेट का इस्तेमाल ज्यादा हो रहा है। बदलते परिवेश में साहित्य के स्वरूप को भी बदलना जरूरी है। मसलन युवा पीढ़ी को साहित्य के प्रति आकर्षित करने के लिए लंबी रचनाओं के बजाए लघु और उनके अर्थ को समझने वाली सामग्री का इस्तेमाल करना चाहिए।

साक्षात्कार | **ओ.पी पाल**

समाज सेवा के भाव से साहित्य संवर्धन आवश्यक : संतोष गर्ग

सामाजिक और सांस्कृतिक प्रासंगिकता के हित में साहित्य को अहम माना गया है। मूर्धन्य विद्वान भी साहित्य की समाज का दर्पण के रूप में व्याख्या करते रहे हैं। ऐसी ही एक प्रख्यात कवयित्री, लघुकथाकार, बाल उपन्यासकार और कहानीकार के रूप में डा. संतोष गर्ग ने अपनी लेखनी से हिंदी साहित्य को एक नया आयाम देकर साहित्य जगत में लोकप्रियता हासिल की है। उनकी साहित्यिक रचनाओं में नारी सशक्तिकरण, आध्यात्म, समाज सुधार और बाल साहित्य जैसे विषयों का समावेश शामिल है। उन्होंने हिंदी, पंजाबी, हरियाणवी और अंग्रेज़ी भाषाओं की ज्ञाता संतोष गर्ग ने सामाजिक क्षेत्र में अपनी सक्रीयता से समाज को एक सकारात्मक संदेश पहुंचाने का प्रयास किया।

साहित्य और समाज में अपने ऐतिहासिक रूप से योगदान दे रही महिला साहित्यकार डा. संतोष गर्ग ने अपने साहित्यिक और सामाजिक सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से बातचीत में कई ऐसे पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें उनका मानना है कि साहित्य संवर्धन समाज सेवा के भाव से हो तो उसका संस्कृति और संस्कारों को जीवंत रखने के लिए ज्यादा महत्व है। डा. संतोष गर्ग जन्म 12 नवंबर 1960 को पंजाब के बुढ़लाड़ा के एक संयुक्त परिवार में रूलदू राम सिंगला और देवकी देवी के घर में हुआ। परिवार में किसी तरह का साहित्य या सांस्कृतिक माहौल नहीं था। बकौल संतोष गर्ग उनकी शादी 17 साल की उम्र में 23 अप्रैल 1978 को हरियाणा के कलायत गांव में हो गई थी। शादी से पहले वह सिर्फ 11वीं कक्षा पास की थी और बाकी उच्च शिक्षा शादी के बाद ग्रहण की। शादी के बाद कलायत गांव से वह अपने पति के साथ हिसार आकर रहने लगी, जहां उनके पति की हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रोफेसर के रूप में नई नई नौकरी लगी थी, वहीं से वे अब प्रोफेसर एंड हैड पद से सेवानिवृत्त हो चुकी हैं। वह साल 2012 से अपने बच्चों के साथ मोहाली में रह रही हैं। हरेक क्षेत्र की तरह साहित्यिक सफर में उतार चढ़ाव सभी के सामने आते हैं। उनके सामने भी बच्चों के भविष्य को लेकर चुनौतियां थी और परिवार की जिम्मेदारियां थी। इसके बावजूद साहित्यिक कार्यक्रमों में भाग लेती रही। हिंदी व पंजाबी के अलावा हरियाणवी भाषा में भी उन्होंने कुछ रचनाएं लिखी हैं। अपने साहित्यिक सफर में अब तक हिंदी भाषा में निरन्तर कवि गोष्ठियों, कवि सम्मेलनों का आयोजन भी कराती आ रही हैं। वह अखिल भारतीय साहित्य परिषद में हरियाणा प्रांत की उपाध्यक्ष, और राष्ट्रीय कवि संगम में 2016 से ट्राई सिटी चंडीगढ़ के अध्यक्ष पद पर लगातार सक्रिय हैं। वे एक फैशन डिजाइनर होने के साथ योगा व नेच्युरोपैथी चिकित्सक भी हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

संतोष गर्ग की प्रकाशित 19 पुस्तकों में चार काव्य संग्रह-दिल मुट्ठी में, सूख गए नैनन के आँसू, शब्दों को विश्राम कहाँ और बाल काव्य संग्रह 'कागज की नाव', एक बाल उपन्यास नानी, निक्की और कुंभ' व काव्य संकलन ' दुनिया गोल मटोल' के अलावा 'हर मन तिरंगा, पिता होते हैं पर्वत से, कोरोना काल कवियों के झरोखे, लघुकथाएं अपनी-अपनी सोच, लघुकथा संग्रह 'लघुता कुछ कहती है' सुर्खियों में हैं। वहीं 'यात्रा गुरू के गाँव की', 'मानस मोती', 'पंचामृत', 'सहस्त्रमानक', 'संवाद' और सनातन-वार्ता पुस्तकें भी लिखी हैं।

संतोष गर्ग

पुरस्कार व सम्मान

हरियाणा साहित्य अकादमी से आध्यात्म पुस्तक सनातन-वार्ता के लिए श्रेष्ठ कृति पुरस्कार के अलावा संतोष गर्ग को महादेवी वर्मा कविता गौरव सम्मान, साहित्य सम्मेलन शताब्दी सम्मान, गुरु रविंद्र नाथ टैगोर सम्मान, लघुकथा स्वर्ण सम्मान, पावरफुल वूमेन आफ हरियाणा अवार्ड, वूमैन एम्पावरमैंट अवार्ड, कोरोना योद्धा सम्मान से भी नवाजा जा चुका है। वहीं उन्हें दुबई में भारतीय प्रधान कौंसुलेट जनरल द्वारा भी सम्मान हासिल हुआ है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : संतोष गर्ग
जन्मतिथि : 12 नवंबर 1960
जन्म स्थान : बुढ़लाड़ा (पंजाब)
शिक्षा : बीए, योगा व नेच्युरोपैथी, फैशन डिजाइन
संप्रति : कवयित्री, लघुकथाकार, बाल उपन्यासकार, कहानीकार, मैनेजिंग डायरेक्टर(एन जी डायग्नोस्टिकस, पंचकूला)

ऐसे शुरु हुआ साहित्यिक सफर

वे बताती हैं कि हिसार में रहते हुए अमृता प्रीतम, शिव कुमार बटालवी और ओशो की पुस्तकें पढ़ा करती थी। कई बार अपने मन के भाव भी डायरी में उतार लेती। एक तरह से मेरी साहित्यिक यात्रा 1988 में आरंभ हुई, जब मेरी दो कविताएं एक समाचार पत्र में पहली बार प्रकाशित हुई। इससे आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक था। चूंकि पंजाब में शुद्ध पंजाबी बोली जाती है, जिसके कारण उनकी भाषा में कुछ पंजाबी के तो कुछ हिंदी के और कुछ शब्द हरियाणवी के भी आते हैं। रही बात हिंदी लिखने की, तो इसका श्रेय हिसार के साहित्यकारों को है। यह उनका सौभाग्य रहा कि उन्हें सर्वोदय भवन में हिसार के राज्यकवि प्रोफेसर उदयभानु हंस, डॉ राधेश्याम शुक्ल, सतीश कौशिक, राजेंद्र प्रसाद जैन, मदन गोपाल शास्त्री, प्रदीप नील जैसे विद्वानों को सुनने का अवसर मिलता रहा। इस बात का अहसान उन्हें भी नहीं हुआ कि कब हिंदी उनकी प्रिय भाषा बन गई। साहित्य जगत में उनकी सभी प्रकाशित पुस्तकें हिंदी भाषा में ही हैं और बहुत से सांझा संकलनों में भी रचनाएं प्रकाशित हैं। साल 1995 में उनकी पहली कृति के रुप में काव्य संग्रह 'दिल मुट्ठी में' प्रकाशित हुआ। फिर उन्होंने लघु कथा संग्रह और अन्य विधाओं में पुस्तकें लिखना शुरु किया। उन्होंने बताया कि उनका काव्य संग्रह सूख गए नैनन के आँसू' और डायरी के पन्ने 'मनांजलि' हरियाणा साहित्य अकादमी सौजन्य से प्रकाशित हुआ। साहित्य के क्षेत्र में उन्होंने गद्य व पद्य दोनों विधाओं में ही रचनाएं लिखी हैं। कविताओं के अलावा लघु कथाए, कहानी, उपन्यास और बाल साहित्य भी लिखा है। उनके लेखन का फोकस ज्यादातर प्रेम, प्यार, विरहा, अध्यात्म, सेवा, संस्कारों पर रहा है। हालाकिं समाजिक सरोकार के मुद्दों पर भी कलम चलाई है, लेकिन राजनीति पर बहुत कम लिखा है।

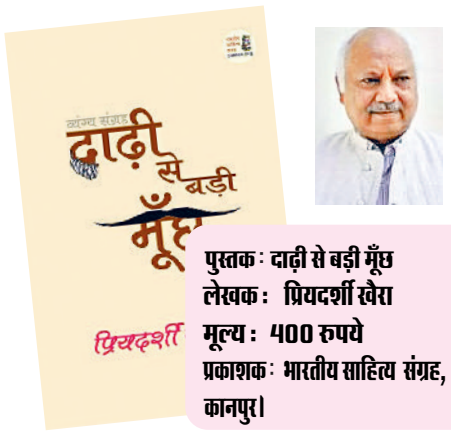

हास्य-व्यंग्य बोध से सराबोर 'दाढ़ी से बड़ी मूँछ'

पुस्तक : दाढ़ी से बड़ी मूँछ
लेखक : प्रियदर्शी खैरा
मूल्य : 400 रुपये
प्रकाशक : भारतीय साहित्य संग्रह, कानपुर।

पुस्तक समीक्षा | **प्रमोद ताम्बट**

हाल ही में प्रियदर्शी खैरा का नया व्यंग्य संकलन 'दाढ़ी से बड़ी मूँछ' भारतीय साहित्य संग्रह कानपुर से प्रकाशित हुआ है। दो दो स्वरनामधन्य व्यंग्याकारों प्रेम जनमेजय एवं पद्मश्री डॉ. ज्ञान चतुर्वेदी की पृथक-पृथक भूमिकाओं से सजे इस व्यंग्य संकलन ने एक तरीके से लेखन की दुनिया में एक अलग लकीर खींच कर रख दी है, यह कहने में कोई गुरेज़ नहीं किया जाना चाहिए। जहां प्रेम जनमेजय कहते हैं कि ''उनकी रचनाओं में व्यंग्य लदकर नहीं आया है, सहज आया है'', वहीं डॉ. ज्ञान चतुर्वेदी कहते हैं ''सहज होकर व्यंग्य भी लिखा जाए तो वह कितना अच्छा बन जाता है।' प्रियदर्शी खैरा का यह संकलन इन दोनों ही टिप्पणियों पर खरा उतरता है। श्री खैरा की व्यंग्य रचनाओं में वव्यंग्य भी उसी सहजता से आता है जितनी सहजता से हास्य। यह एक मणिकांचन संयोग की तरह होता है जो रचना की पठनीयता को निःसंदेह द्विगुणित कर देता है। इसे साध लेना वास्तव में बहुत कठिन होता है, यदि वह घुट्टी के साथ मिली हुई न पी रखी हो। श्री खैरा का बुंदेलखंड से लम्बा नाता रहा है इसलिए वहां का नैसर्गिक हास्य-व्यंग्य बोध उनकी रचनाओं में सहज प्रवाह की तरह चला आता है जिससे वे अपने रचनाकर्म को समृद्ध बनाते चलते हैं। पूरे संकलन की हरेक रचना में खैरा जी अपनी विशिष्ट खिलंदड़ी भाषा के माध्यम से अपने हास्य-व्यंग्य बोध का छिड़काव सा करते हुए चलते हैं। जिससे पहली ही रचना से संकलन के प्रति उत्सुकता का भाव पैदा होता है जो निश्चित ही पाठक को पूरा संकलन पढ़ा ले जाने के लिए मजबूर कर देता है। श्री खैरा लम्बे समय तक शासकीय विभाग में उच्चतम पद पर रहे हैं और उन्होंने इस दौरान व्यवस्था के छोटे से लेकर उच्च स्तर कर तक की इकाइयों को बहुत ही करीब से देखा है। किसी भी लेखक के पक्ष में यह महत्वपूर्ण बात होती है कि वह अपने जीवनानुभव को किस तरह से अपने रचना कर्म में लेकर आता है, श्री खैरा का रचनाकर्म इस मामले में काफी ईमानदार और प्रामाणिक प्रतीत होता है। व्यंग्य संकलन में कुछ 37 रचनाएं हैं। सभी रचनाएं लेखक के मृदुल हास्य एवं व्यंग्य बोध से सराबोर हैं जो मज़े-मज़े में गंभीर विसंगतियों का अहसास भी कराती चलती हैं। लेखक की रचनाएं व्यंग्य के मानदंडों पर भी खरी उतरती हैं, वे बहुत सहजता से व्यंजना, वक्रोक्ति, कटाक्ष, ह्यूमर, आयरनी, कामदी आदि व्यंग्य के हथियारों का उपयोग करते नज़र आते हैं। पुस्तक का कवर पेज अत्यंत साधारण है, इसे और ज्यादा कलात्मक बनाया जाता तो बेहतर होता।

खबर संक्षेप

कनीना में रक्तदान शिविर 23 को

कनीना। शहीद भगत सिंह के बलिदान दिवस पर आगामी 23 मार्च को कनीना में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। सामाजिक संगठन जेएसविएस की ओर से डा. भीमराव अम्बेडकर चौक पर आयोजित होने वाले इस शिविर में रेडक्रॉस सोसायटी व उपनागरिक अस्पताल में कार्यरत स्टाफ का योगदान रहेगा। संगठन के संचालक दीपक कुमार ने बताया कि रक्तदान शिविर शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की संवेदना को समर्पित होगा।

प्राचार्य रमन शास्त्री को मातृशोक

कनीना। गांव रामबास निवासी हरियाणा शिक्षा विभाग के प्राचार्य के पद पर कार्यरत रमन शास्त्री की माता कमला देवी का निधन हो गया। वे 75 वर्ष की थी। उनकी ओर से गत वर्ष राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रामबास के मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए छात्रवृत्ति शुरू करने की घोषणा की थी। जिसके अंतर्गत बोर्ड परीक्षा में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले 12वीं कक्षा के तीन विद्यार्थियों को क्रमशः 5100, 3100 व 2100 रुपये तथा दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों को 5100, 2100 व 1100 रुपये नकद प्रदान करने का प्रेरणादायक कार्य शुरू किया था। 19 मई 2024 को उन्होंने अपने हाथों से पहली छात्रवृत्ति प्रदान भी की थी। धार्मिक विचारों एवं शांत प्रवृति वाली महिला थी, जो अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गई।

मंडी अटेली। गांव चंदपुरा में अनुसूचित जाति बस्ती के सामने फैली गंदगी दिखाते हुए। फोटो: हरिभूमि

चंदपुरा में सड़क पर गंदगी का आलम

मंडी अटेली। राष्ट्रीय राजमार्ग नंबर 11 पर बसे गांव चंदपुरा में जब से सड़क व फ्लाईओवर बना है, तबसे अनुसूचित जाति बस्ती की नालियों का पानी सड़क पर बह रहा है। इससे रोड टूटने के साथ बस्ती के आसपास गंदगी फैली हुई। रोड पर पानी गंदा फैलने के कारण बीमारियों के फैलने के साथ वाहन चालकों को काफी दिक्कत उठानी पड़ती है। इतना सब कुछ होने के बाद एनएचएआई मौन बनी हुई। रोड पर गंदगी से बीमारियां फैलने के साथ दुर्घटना का सदैव अंदेशा बना रहता है। अनुसूचित जाति मोर्चा भाजपा के जिला अध्यक्ष व ग्रीवेंस कमेटी के सदस्य कर्मवीर खींची ने अनेक बार एनएचएआई अधिकारियों से आग्रह किया कि नक्शे में प्रस्तावित बस लाइन का निर्माण किया जाए, ताकि गंदे पानी की निकासी के लिए नाले की व्यवस्था हो सके। पूर्व सरपंच बाबूलाल, राजेंद्र सिंह, सतबीर, रामसिंह, तेजप्रकाश, लक्ष्मीचंद, जयसिंह, सतीश कुमार आदि ने बताया कि रोड के साथ जब तक नाले का निर्माण नहीं होता है, तब तक यह समस्या बनी रहेगी। ग्रामीणों ने बताया कि नक्शे में प्रस्तावित बस लाइन का निर्माण किया जाए।

सुल्ताना अहिरान में नवयुवक मंडल द्वारा दौड़ प्रतियोगिता हुई

रिले दौड़ स्पर्धा में देव रोड की टीम प्रथम, बुहाना दूसरे स्थान पर रहा

मुख्यअतिथि वीरेंद्र शास्त्री बोले, खेलों से होता है सर्वांगीण विकास शरीर रहता स्वस्थ्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

राजस्थान के नजदीकी गांव सुल्ताना अहिरान में नवयुवक मंडल द्वारा बाबा रूपादास दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. वीरेंद्र कुमार शास्त्री थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि खेलों से सर्वांगीण विकास होता है। शरीर सुदृढ़ बनता है। शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। शरीर रोग रहित रहता है। प्रतियोगिताओं से प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ती है। कार्यक्रम के अध्यक्ष पंचायत समिति बुहाना के प्रधान हरिकिशन यादव ने कहा कि खेलों से प्रेम भावना बढ़ती है, भाईचारा बढ़ता है। इसलिए ऐसी प्रतियोगिताओं का आयोजन ग्रामीण स्तर पर जरूर करना चाहिए। इस अवसर पर हरिकिशन प्रधान ने खेल सामान के लिए 3,00,000 रुपये देने की घोषणा की। पूर्व सरपंच रामकुमार ने भी आगामी वर्ष के लिए खेल प्रतियोगिताओं के लिए 2,00,000 लाख रुपये देने की घोषणा की। निर्णायक की भूमिका सूबेदार रमेश कुमार रामा डिफेंस एकेडमी बड़बर, सोनू यादव पीटीआई तथा दिलावर भालोठिया ने निभाई।

नारनौल। गांव में खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि डा. वीरेंद्र शास्त्री। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर गांव के पूर्व सरपंच रामकुमार, पूर्व सरपंच कृष्ण कुमार, प्रमोद शर्मा, मास्टर लक्ष्मी नारायण, समाजसेवी राजेश कुमार, जयपाल, जयलाल, रामकिशन तथा नवयुवक मंडल में नव युवा समाजसेवी अमित कुमार शर्मा, पहलवान संदीप कुमार, पहलवान पवन, विकास, मोहित, अंकित, मुलायम, अमित कुमार, अरविंद, संदीप, अजय कुमार व अजीत आदि मौजूद रहे तथा नवयुवक मंडल एवं समस्त ग्रामीणों के सहयोग से यह प्रतियोगिता धूमधाम से संपन्न हुई।

यह बने विजेता

इस प्रतियोगिता की 4×400 रिले दौड़ में प्रथम देव रोड की टीम रही, जिसने 11000 का ईनाम जीता। द्वितीय स्थान पर बुहाना की टीम रही, जिसने 5100 रुपये जीते। तृतीय स्थान पर सिरसला की टीम रही, जिसे 2100 रुपये नवाजे गए। 100 मीटर दौड़ में लड़कों में कपिल सिरसला प्रथम रहे तथा 5100 रुपये के विजेता रहे। 1600 मीटर दौड़ लड़कों में हेमंत रेवाड़ी प्रथम रहे, जो 5100 रुपये के विजेता रहे। 5000 मीटर (5 किलोमीटर) लड़कों की दौड़ में प्रथम स्थान मोहन सांगवान आदमपुर रहा और 5100 रुपये के विजेता रहे। 800 मीटर लड़कियों की दौड़ में प्रथम स्थान गीतिका दहिया गुड़गांव रही और 5100 रुपये की विजेता रही। लॉन्ग जंप लड़के में अभिषेक पिलानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और 5100 रुपये के विजेता रहे। लॉन्ग जंप लड़की में प्रथम स्थान प्राची नूनियां ने प्राप्त किया और 2100 रुपये की विजेता रही।

गोवंश को खिलाई हरी सब्जियां

- आनंद रसोई को गोवंश के लिए खोला, रसोई शाखा के सदस्य नरोत्तम सोनी ने शादी की वर्षगांठ पर खिलाया चारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

भाविप शाखा ने अपने प्रकल्प आनंद रसोई को विस्तारित करते हुए अब आनंद रसोई को गोवंश के लिए भी खोल दिया है। प्रकल्प संयोजक डा. संजय शर्मा व राकेश शर्मा ने बताया कि श्रमिक भाइयों के साथ साथ अब आनंद रसोई गोमाता के लिए भी चलेगी। गोवंश के लिए रसोई शाखा के सदस्य नरोत्तम सोनी व उनकी पत्नी रवीना सोनी के सौजन्य से उनकी वैवाहिक वर्षगांठ पर आयोजित की गई। जिसका शुभारंभ शाखा अध्यक्ष राजकुमार यादव एडवोकेट व सुभाष सिंगला ने किया। शाखा सचिव दिनेश शर्मा ने बताया कि नन्दी गोशाला रघुनाथपुरा में सोनी परिवार के सौजन्य से गायों को सात क्विंटल हरी सब्जियां खिलाई गई। शाखा अध्यक्ष राजकुमार यादव ने कहा कि गोवंश को खिलाया भोजन उत्कृष्ट श्रेणी का पुण्य कार्य माना जाता है। आयोजक नरोत्तम सोनी ने कहा कि गायों की सेवा से पुण्य कार्य कोई नहीं है। जिला समन्वयक डा. जितेन्द्र भारद्वाज ने कहा कि आनंद रसोई का विस्तारित रूप वास्तव में आनंद देने वाला प्रकल्प है।

नारनौल। गोवंश के लिए हरे चारे की सवामणी लगाते हुए। फोटो: हरिभूमि

21 हजार की कुश्ती रेश्म ने जीती

- ग्राम पंचायत कुंजपुरा व बाबा भैया सेवा समिति की ओर से मेले में करवाया गया दंगल

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

ग्राम पंचायत कुंजपुरा व बाबा भैया सेवा समिति की ओर से बाबा भैया के मेले का आयोजन हुआ। मेले में बाबा का भंडारा व भक्तगणों ने अपनी मन्नतें मांगकर पूजा अर्चना की।

जिला पार्षद प्रतिनिधि शमशेर सिंह ने मेले का उद्घाटन किया, जबकि मेला कमेटी प्रधान, गांव के सरपंच व मेला कमेटी सदस्यों ने विजेताओं को सम्मानित किया। दिल्ली अखाड़े के बाघोत निवासी रेश्म पहलवान ने 21 हजार रुपये की कुश्ती मोहित छितरौली को हराकर जीती। वहीं 11 हजार रुपये की कुश्ती जतिन मोकलवास ने नारनौल के अंकुश को हराकर जीती। मेले में वालीबाल के मैच में प्रथम राता रहने वाली टीम को 21 हजार व द्वितीय सचिन कप्तान के नेतृत्व वाली बहल की टीम को 11 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया। कबड्डी में जयपुर की टीम प्रथम तथा अलवर टीम दूसरे स्थान पर रही।

मंडी अटेली। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते सरपंच नरेंद्र व कमेटी सदस्य।

प्रतिभाओं को सम्मानित किया

- सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले फाउंडेशन ने दिया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले फाउंडेशन के तत्वावधान में अंबेडकर भवन मालवीय नगर में प्रतिभा एवं मोटिवेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता फाउंडेशन के प्रधान सुभाष चंद्र एडवोकेट ने की। प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम में चंचल सिंगला एचसीएस, प्रियंका आरएएस, सुनील कुमार आरएएस, हेमंत आरजेएस को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नैंसी, प्रिंस, वंश व कार्तिक को भी एनटीएस एग्जाम पास करने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी अधिकारीगणों ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए नवयुवकों को कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरणा दी। उन्होंने बताया कि असफल होने के बाद हिम्मत ने हारे अपितु सफलता प्राप्त होने तक बारंबार प्रयास करते रहे। एचसीएस चंचल सिंगला व सीडीपीओ प्रियंका ने बताया कि क्रांति ज्योति माता सावित्रीबाई फुले ने देश की महिलाओं को शिक्षित करने का अभियान शुरू किया गया था।

नारनौल। कार्यक्रम में प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

1268 विद्यार्थियों ने दी स्कॉलरशिप परीक्षा

- सीएलसी सीकर की नारनौल ब्रांच में जेईई और एनडीए की कक्षाओं में प्रवेश के लिए हुआ परीक्षा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सीएलसी सीकर की नारनौल ब्रांच में स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें 1268 विद्यार्थियों ने भाग लिया। निजामपुर रोड स्थित सीएलसी की ओर से कक्षा छठीं से कक्षा आठवीं प्री-फाउंडेशन, कक्षा नौवीं से कक्षा 10वीं फाउंडेशन तथा कक्षा 11वीं से 12वीं के साथ नीट, जेईई व एनडीए की कक्षाओं में प्रवेश के लिए यह परीक्षा आयोजित की गई। इस परीक्षा में दूर-दूर से अभिभावक अपने बच्चों को परीक्षा दिलाने के लिए पहुंचे। इस परीक्षा में उपस्थित बच्चों के साथ उनके परिजनों में भी उत्साह नजर आ रहा था। सीएलसी सीकर के संस्थापक इंजीनियर श्रवण चौधरी ने 1996 में सीएलसी की स्थापना की, जो कि आज शिक्षा के क्षेत्र में एक जाना-पहचाना नाम है। उनका उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करना और उन्हें अपने सपनों को साकार करने में मदद करना है। सीएलसी ने नीट, जेईई एनडीए व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों को सफलता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं।

नारनौल। परीक्षा देते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

बच्चों को लाभ पहुंचेगा

परीक्षा का आयोजन सीएलसी नारनौल के डायरेक्टर नरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने बताया कि हम यहां पर कक्षा छठीं से कक्षा आठवीं प्री-फाउंडेशन, कक्षा नौवीं से कक्षा दसवीं फाउंडेशन तथा कक्षा ग्यारवीं से बारहवीं के साथ नीट, जेईई एवं एनडीए की तैयारी करवाते है। इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य बच्चों की बौद्धिक क्षमता का आंकलन व होशियार औरआर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है, जो हमें सफलता की ओर अग्रसर करता है, कोई भी परीक्षा व्यक्ति व श्रेष्ठता की पहचान और किसी स्थिति का सामना करने की तैयारी का निरीक्षण सदैव परीक्षा का उद्देश्य रहा है। सीएलसी नारनौल के सेंटर हेड सत्येन्द्र शर्मा ने बताया कि परीक्षा देने आए छात्रों में बहुत उत्साह देखा गया।

समारोह में बेटियों ने दिखाई प्रतिभा

- बदोपुर गांव में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन
- सभी ने गांव की बेटियों को उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

बदोपुर गांव में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह प्रतिभा सम्मान समारोह में गांव की दो बेटियों का हिना यादव पुत्री राकेश कुमार सीजीएल इनकम टैक्स इंस्पेक्टर व अंजु कुमारी पुत्री पूर्णमल प्रजापत वित मंत्रालय अकाउंट ऑफिसर के चयन होने पर आयोजित किया गया। सम्मान समारोह की अध्यक्षता महाराज जसनाथ ने की। कार्यक्रम में सांस्कृतिक अहीरवाल, राजवंशी शिक्षा निकेतन, इंडियन स्कूल, कुलदीप कॉलेज शिमला के साथ साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सांस्कृतिक अहीरवाल बदोपुर इकाई के अध्यक्ष बृजलाल यादव ने कहा प्रतिभा जन्मजात होती है, उनको अवसर प्रदान कर उभारा जाता है, वो समाज का दायित्व है। समाज ने आपको जो दिया है उसको वापस समाज को देने का प्रयास करना चाहिए। उभरी हुई प्रतिभा आने वाली पीढ़ी के लिए आदर्श होती है। सभी ने गांव की बेटियों को उनकी उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी। सांस्कृतिक अहीरवाल के जिला मीडिया प्रमुख शीशपाल यादव ने कहा कि गांव की दोनों बेटियों की इस उपलब्धि पर गांव गर्व करता है और उपस्थित छात्र छात्राओं से आग्रह करता है कि दोनों बेटियों को आदर्श मानकर आगे बढ़ने का संकल्प करें।

नारनौल। बदोपुर में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर बाबूलाल नंबरदार, ब्रजलाल मास्टर, महेश सरपंच बदोपुर, डा. मूलचंद सरपंच दोचाना, प्रदीप सरपंच जाटूपुर, सांस्कृतिक जिला मीडिया प्रभारी शीशपाल बदोपुर, नरेश सरपंच, फूलचंद डेलीगेट, ईश्वर राजपूत, संदीप यादव, सतीश यादव, सुनील यादव, डा. संजय यादव, सुभाष यादव, चंद्रभान, दशरथ, अनिल चौहान आदि मौजूद थे।

स्कूल में पुरस्कार वितरित किए

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

अभिभावकों व स्कूल के अध्यापकों के बीच संवाद बढ़ाने के उद्देश्य से एमआर पब्लिक स्कूल मित्रपुरा में रविवार को कक्षा नर्सरी व आठवीं तक की अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी व वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया। जिसमें अपने बच्चों के प्रदर्शन व पढ़ाई को जानने के लिए अभिभावकों में काफी उत्साह दिखाई दिया। अभिभावकों के स्वागत में प्रवेश द्वार व कक्षाओं को काफी अच्छे तरीके से सजाया गया।

अभिभावकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर बच्चों के बारे में शिक्षकों से विस्तार से बात की व बच्चो की वार्षिक परीक्षा के प्राईज व रिपोर्ट कार्ड प्राप्त किए। रिपोर्ट कार्ड में अपने बच्चों का अच्छा परिणाम देखने के बाद अभिभावकों ने अध्यापको को बधाई दी। स्कूल प्राचार्या अनिता यादव ने संगोष्ठी के आयोजन पर बच्चों के अच्छे परिणाम के लिए सभी अभिभावकों व बच्चों को बधाई दी। उन्होंने बताया कि संगोष्ठी एक मंच है, जिसके माध्यम से अध्यापक का संबंध छात्र व उसके माता-पिता के साथ मधुर होगा।

नारनौल। बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

श्रद्धा से निकाली 113वीं प्रभात फेरी

- राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 113वीं प्रभात फेरी का भव्य आयोजन किया गया। यह आध्यात्मिक आयोजन प्रातः सात बजे शिव मंदिर छोटा तालाब से प्रारंभ हुआ। जहां मुख्य यजमान प्रदीप संघी, प्रमोद संघी व उनके परिवार ने ठाकुर जी की आरती कर सभी श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाया। इस प्रभात फेरी में सैकड़ों बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं व युवा शामिल हुए। सभी ने ढोल नगाड़ों की मधुर ध्वनि पर भजन कीर्तन करते हुए राधे राधे के जयकारों से नगर को भक्तिमय बना दिया। प्रभात फेरी शिव मंदिर, छोटा तालाब से प्रारंभ होकर इमली के पेड़, नौ चौकी हवेली व मोहल्ला बावड़ीपुर होते हुए पुनः प्रारंभ स्थल पर समाप्त हुई। पूरे मार्ग में भक्तगणों ने भगवान का स्मरण करते हुए आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। इस आयोजन ने पूरे नगर को वृंदावन, मथुरा, गोवर्धन व बरसाना की गलियों जैसा भक्तिमय रूप दे दिया। ढोल मंजीरों की ताल पर श्रद्धालु झूम झूमकर ठाकुर जी को रिझाने में मग्न रहे। चारों ओर राधे राधे के मंत्रों की गूंज से वातावरण आध्यात्मिक प्रेम, शांति, समर्पण व आनंद से सराबोर हो उठा। प्रभात फेरी के स्वागत में श्रद्धालु जगह जगह खड़े होकर फूल बरसा रहे थे।

नारनौल। प्रभात फेरी निकालते श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

स्पोर्ट्स क्लब खासपुर व श्रीशनि शक्ति धाम परिसर में चलाया अभियान

युवाओं ने जल संरक्षण और स्वच्छता का संदेश दिया

- अभियान के तहत पार्कों और परिसर में लगे पौधों की देखभाल की गई, आसपास की खरपतवार हटाकर सफाई की

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जल संरक्षण व हरित पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल अभियान के तहत रविवार को स्पोर्ट्स क्लब खासपुर व श्री शनि शक्ति धाम परिसर में विशेष स्वच्छता व पौधों की देखभाल अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व डा. जय कृष्ण आभीर के मार्गदर्शन में किया गया। जल बचाओ पेड़ लगाओ पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल अभियान के अंतर्गत पार्कों व परिसर में लगे पौधों की देखभाल की गई। उनके आसपास की खरपतवार हटाई गई और सूख रहे पौधों में जल आपूर्ति सुनिश्चित की गई। इस दौरान पौधों की सुरक्षा के लिए लगी तारबाड़ को भी दुरुस्त किया गया। यह कार्य ग्रामीणों व स्वयंसेवकों के सामूहिक प्रयासों से संभव हुआ। इस स्वच्छता और संरक्षण अभियान में यशवीर, बॉबी देहरान, सचिन, अमरजीत, सुखदेव, गौरव रोहिल्ला, योगेश व अजय ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। टीम के सभी सदस्यों ने कड़ी मेहनत से पौधों की देखभाल कर परिसर को स्वच्छ और हरित बनाने में सहयोग दिया। संदेश दिया गया कि जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति का कर्तव्य है।

नारनौल। अभियान के तहत पौधों में पानी देते हुए। फोटो: हरिभूमि

जल बचाने और हरियाली बढ़ाने की मुहिम जारी रहेगी

टीम मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल निकट भविष्य में और अधिक ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे ही अभियानों को गति देने की योजना बना रही है। समुदाय को जागरूक कर जल संरक्षण व पौधारोपण को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया है। यशवीर यादव व अरविंद भारद्वाज ने बताया कि आज का अभियान न केवल पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम था, बल्कि समाज के हर व्यक्ति को यह प्रेरणा देता है कि हम सभी मिलकर अपने गांव, शहर व पर्यावरण को बेहतर बना सकते हैं। जल बचाने और हरियाली बढ़ाने की यह मुहिम जारी रहेगी।

खबर संक्षेप

नारनौल। एमआर स्कूल अटेली में बच्चों को सम्मानित करते हुए।

एमआर स्कूल का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

नारनौल। अटेली स्थित एमआर पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों का वार्षिक परिणाम घोषित किया गया। जिसमें विद्यालय प्राचार्य ने उनकी वर्ष भर की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। परीक्षा परिणाम प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी अपने माता पिता के साथ विद्यालय पहुंचे और अपना परिणाम जाना। विद्यार्थियों के साथ आए अभिभावकों ने अध्यापकों से व्यक्तिगत रूप से अपने बच्चों का की पढ़ाई की रिपोर्ट जानी तथा उनके प्रगति पत्र प्राप्त किए। विद्यालय के अध्यक्ष सियाराम यादव ने सभी अभिभावकों व विद्यार्थियों को संबोधित किया।

हिमांशी ने हासिल की पीएचडी डिग्री

नांगल चौधरी। नांगल चौधरी के लक्ष्मण सिंह जागीरदार की पुत्री हिमांशी चौधरी ने कॉमर्स संकाय में पीएचडी की डिग्री हासिल की है।

मेधावी छात्रा को सम्मानित करने के लिए नपा पार्षदों ने समारोह आयोजन का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि हिमांशी चौधरी ने प्रारंभिक पढ़ाई गांव में ही पूरी की है। इसके बाद उन्होंने जयपुर से बीकॉम व एमकॉम डिग्री प्राप्त की है। 2019 में नेट क्वालिफाई करने के बाद उन्होंने पीएचडी के लिए ज्योति विद्या पीठ महिला विश्वविद्यालय में दाखिला लिया।

श्रीश्याम मंदिर की रखी गई नींव

महेंद्रगढ़। गांव माजरा कलां स्थित बाबा ज्ञानगिरी के आश्रम में श्रीश्याम मंदिर की नींव रखी गई। सरताज जनसेवा ग्रुप के पीआरओ कुलदीप यादव ने अपने हाथ से भूमि पूजन करवाया और अपनी तरफ से 51000 हजार व बड़े भाई प्रदीप यादव की तरफ से भी 51000 हजार रुपये की राशि कमेटी को प्रदान की। उन्होंने कहा कि श्याम मंदिर में निर्माण कार्य में पूरा सहयोग करेंगे।

बिढाट परिवार की बहू के फरीदाबाद की मेयर बनने पर जताई खुशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर के मोहल्ला बिढाट के जन सामुदायिक भवन में समिति के प्रधान चेतन प्रकाश गौड़ की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें मोहल्ले के बिढाट परिवार की बहू प्रवीण जोशी धर्मपत्नी संदीप जोशी के फरीदाबाद की मेयर बनने पर खुशी जताई गई। चेतन प्रकाश गौड़ ने बताया कि रमेश जोशी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे है और भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे है। उनके पद चिन्हों पर चलते हुए संदीप जोशी व उनकी पत्नी प्रवीण जोशी बड़ी ही सकारात्मक राजनीति कर रही है। उसी का परिणाम है कि फरीदाबाद की जनता ने उन्हें सबसे ज्यादा वोटो से विजयी बनाया है। इस बात को लेकर बिढाट मोहल्ले में ही नहीं पूरे नगर में खुशी का माहौल है।

शीघ्र ही उनसे समय लेकर उन्हें मौहल्ला बिढाट में आमंत्रित कर सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर हर्षवर्धन कौशिक, सूर्यप्रकाश कौशिक, घनश्याम दास कौशिक, अनिल कौशिक, महेश जोशी, कृपाराम दिल्लीवान, गुलशन दीवान, राधेश्याम दिल्लीवान, पवन शर्म, मोहित शर्मा, वेद प्रकाश गौड़, आशीष कौशिक, नवीन गौड़, प्रवीण गौड़, पंकज गौड़, संजय बिढाट, भीखा राम कौशिक, नरेश जोशी व सुशील बिढाट आदि मौजूद रहे।

प्रतिदिन सुबह टहलने से इम्यून सिस्टम में सुधार के साथ घटता है बीमारियों का जोखिम, दिनभर बनी रहती है ऊर्जा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सुबह-सुबह जब आप मॉर्निंग वॉक के लिए निकलते होंगे, तो आपने बड़ी संख्या में लोगों को टहलते हुए देखा होगा। मॉर्निंग वॉक करना हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद होता है और यही वजह है कि फिट रहने के लिए सभी को इसे अपनी रूटीन में शामिल कर लेना चाहिए। मॉर्निंग वॉक से न सिर्फ आपकी फिजिकल हेल्थ बेहतर होती है, बल्कि इससे मेंटल हेल्थ को भी मजबूती मिलती है। हर दिन करीब तीस मिनट वॉक करने से आप कई बीमारियों से बचाव कर सकते है। मॉर्निंग वॉक से करने से आप पूरे दिन एनर्जी से भरपूर महसूस करते है। मॉर्निंग वॉक करने से आपको साइकोलॉजिकल फायदे भी होते है। इससे आपका मूड बेहतर होता है, तनाव और

नारनौल। सुबह के समय वर्जिस करते हुए बच्चे।

एंजाइटी को कम करने में मदद मिलती है। डिप्रेशन से बचने के लिए वॉक मददगार साबित होती है और थकान भी दूर हो जाती है। कुल मिलाकर आपकी मेंटल हेल्थ इससे मजबूत हो जाती है। जिन लोगों को रात में नींद नहीं आती हैं, उन्हें हर दिन वॉक जरूर करनी चाहिए, जो लोग सुबह या शाम वॉक करते है, उन्हें रात में बेहतर नींद आती है। अच्छी नींद आने से शरीर फिट रहता है और आप मेंटली मजबूत रहते है।

हृदय रोगियों के लिए लाभकारी है मॉर्निंग वॉक

रेनबो हॉस्पिटल के डा. मुकेश ने बताया कि मार्निंग वॉक हृदय रोगियों के लिए लाभदायक है। आज-कल अनुकूल वातावरण है, इसलिए ऐसे लोगों को सुबह की सैर करना चाहिए। उन्होंने बताया कि सामान्य दिनों में मॉर्निंग वॉक से दिल की धड़कन को नियंत्रित करने, दिल की बीमारी और स्ट्रोक के खतरों को कम किया जा सकता है। हर सुबह तीन मिनट चलने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। मॉर्निंग वॉक से शरीर में पर्याप्त मात्रा में रक्त प्रवाह होता है। जिससे चेहरे में चमक आती है, साथ ही कमजोर बाल भी मजबूत हो जाते हैं।

वजन घटाने में मिलती है सहायता

वर्तमान समय में कई लोग वजन घटाने के लिए नए-नए तरीके अपनाते है, लेकिन उन्हें बहुत कम फायदा मिलता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि हर दिन 30 मिनट मॉर्निंग वॉक करने से 150 कैलोरी बर्न होती है और आपको वेट कम करने में काफी फायदा होता है। इससे आपकी मसल्स मजबूत होती है और वेट कंट्रोल रहता है। हर दिन मॉर्निंग वॉक करने से आपकी इम्यूनिटी मजबूत होती है और हार्ट डिजीज का खतरा कम हो जाता है। इसके अलावा डायबिटीज, कार्डियोवैस्कुलर डिजीज व कैंसर से बचाव करने में भी वॉक फायदेमंद होती है। कई तरह की शारीरिक परेशानियां वॉक करने से दूर हो जाती है।

धर्मकांटे के नहीं चलने से हो रहा नुकसान

अटेली अनाज मंडी का धर्मकांटा बंद किसान बाहर जाने को हो रहे मजबूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली अनाज मंडी में खरीफ का सीजन 15 मार्च से प्रारंभ हो गया है। मंडी में किसानों की आवक ने अभी गति तो नहीं पकड़ी है। मार्केट कमेटी अपनी तरफ से तैयारी शुरू कर दी है। फसल बेचने के लिए पहले तुलाई करवानी पड़ती है। अनाज मंडी में पिछले दो साल ज्यादा समय से 23 लाख रुपये खर्च कर धर्म कांटा तैयार किया हुआ है, लेकिन धर्मकांटा चालू नहीं होने से निजी धर्म कांटों पर तुलाई करवानी पड़ रही है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। साथ ही मंडी में जाम की स्थिति बनी रहती है। धर्मकांटे के नहीं चलने से यह सफेद हाथी बना हुआ है। पिछले सीजन में मार्केट कमेटी के दबाव पड़ने पर कुछ दिन के लिए तो शुरू हुआ, लेकिन बाद में बंद हो गया। मार्केट कमेटी के अधिकारियों का कहना है कांटे को चलाने के लिए मैन पावर स्वीकृत करीब-करीब हो गई है। इस कांटे को शीघ्र शुरू कर दिया जाएगा। मार्केटिंग बोर्ड ने किसानों की सुविधा के लिए धर्म कांटा मंडी के प्रवेश गेट के साथ बनाया गया है। मंडी में पिछले खरीफ के सीजन से पहले ही बन कर तैयार हो गया था, लेकिन अभी तक शुरू नहीं किया गया है। धर्म कांटे के नहीं चलने से प्राइवेट कांटों पर 50 से 75 रुपये देने पड़ रहे हैं। धर्मकांटा को चलाने के लिए ऑपरेटर के भरोसे रूका हुआ है। इस संबंध में मार्केट कमेटी के कार्यकारी अधिकारी एवं सचिव सुनीता ने बताया कि हमारी तरफ से मार्केटिंग बोर्ड के उच्च अधिकारियों को धर्म कांटे को शुरू करवाने के उच्च अधिकारियों को लिखा हुआ था, इसकी एवज में मैन पावर मिल गई। ऑपरेटर मिलने के बाद इस सीजन में किसानों को कांटे की तरफ से कोई दिक्कत नहीं उठानी पड़ेगी। वहीं अनाज मंडी में समर्थन मूल्य पर खरीद प्रारंभ की जा चुकी है, लेकिन अभी सरसों की आवक शुरू नहीं हुई है। अब की बार सरसों का एमएसपी 5950 रुपये है। वहीं मार्केट कमेटी प्रशासन की तरफ से खरीद से संबंधित सभी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। खरीद प्रक्रिया सुचारू रखने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। किसानों और आढ़तियों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसके लिए फसलों को सुरक्षित रखने के लिए कवर्ड शेड की व्यवस्था की गई है। मार्केट कमेटी अधिकारियों ने आढ़तियों को निर्देश दिए।

मंडी अटेली। अनाज मंडी का धर्मकांटा, जो बंद पड़ा है। फोटो : हरिभूमि

ढाई लाख बारदाना मंडी में पहुंचा

हैफेड के मैनेजर रोशन लाल ने बताया कि मंडी में ढाई लाख बारदाना आ चुका है। पहले नेफेड द्वारा सरसों की खरीद की जाएगी, उसके बाद बची हुई फसल हैफेड खरीदेगा। किसानों से अनुरोध है कि वह अपनी फसल को अच्छी तरह साफ और सुखाकर लाएं, ताकि उन्हें बेचने में परेशानी न हो। अगर कोई आढ़ती निर्देशों का पालन नहीं करता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। किसानों की फसल सुरक्षित रखने के लिए तिरपाल की व्यवस्था की गई है। मंडी की सफाई का कार्य पूर्ण कर लिया गया है और किसानों के लिए पेयजल और बिजली की सुविधा निरंतर उपलब्ध रहेगी। रात में स्ट्रीट लाइटें चालू रहेगी दिन में अटल कैंटीन में 10 रुपये में भोजन मिलेगा।

फसल की गुणवत्ता बनाए रखना जरूरी

सचिव ने कहा कि फसलों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए झरने का इस्तेमाल जरूरी है। अक्सर देखा गया है कि बिना साफ किए अनाज को कट्टों में भर दिया जाता है। इससे गोदामों में फसल रिजेक्ट हो जाती है। आढ़तियों और खरीद एजेंसियों को तय मानकों का पालन करना होगा। कवर्ड शेड को खाली कराकर केवल सीजन की फसलें रखने की व्यवस्था की गई है। मंडी के मुख्य गेट पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिससे आने-जाने वालों पर नजर रखी जाएगी।

सेना में करियर : अग्निपथ योजना 2025-26 के तहत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अग्निपथ योजना के तहत महेन्द्रगढ़, रेवाड़ी, चरखी दादरी व भिवानी जिला के युवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 10 अप्रैल तक आवेदन कर सकते हैं। अग्निवीर अभ्यर्थी अपनी पात्रता के आधार पर किसी भी दो श्रेणियों के लिए आवेदन कर सकते हैं। दो श्रेणियों के फॉर्म अलग अलग भरने होंगे।

ऑनलाइन परीक्षा के लिए अभ्यर्थी द्वारा प्रति आवेदक परीक्षा शुल्क 250 रुपये का भुगतान किया जाना है। यह जानकारी देते हुए सेना भर्ती कार्यालय चरखी दादरी से रैली के संयोजक कर्नल के संदीप ने बताया कि भर्ती वर्ष 2025-26 के लिए अग्निवीरों की भर्ती ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित लिखित परीक्षा (ऑनलाइन सीईई) व भर्ती रैली दो चरणों में की जाएगी।

भर्ती के लिए इच्छुक उम्मीदवार को अपना नाम वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि जिन युवाओं का जन्म एक अक्टूबर 2004 से एक अप्रैल 2008 के बीच हुआ है और उन्होंने दसवीं या बारहवीं की कक्षा उत्तीर्ण की है, जो उम्मीदवार कक्षा 10वीं व कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में उपस्थित हुए हैं और परिणामों की घोषणा की प्रतीक्षा कर रहे हैं, वे भी आवेदन करने के पात्र हैं, बशर्ते वे अन्य सभी क्यूआर को पूरा करते हों। उन्होंने पदों की जानकारी देते हुए बताया कि अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर लिपिक व स्टोर कीपर तकनीकी, अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर ट्रेडसमैन दसवीं पास व अग्निवीर ट्रेडसमैन आठवीं पास के पद सभी आर्मफोर्स के लिए है। जिन उम्मीदवारों ने न्यूनतम शैक्षणिक व आयु सीमा की योग्यता पूरी कर रखी है, वे इस योजना के तहत अपने आवेदन ऑनलाइन कर सकते है। आवेदन करते समय सभी उम्मीदवार अपना निजी मोबाइल नंबर की जानकारी दर्ज करके सबमिट का बटन अवश्य दबाएं।

उद्घाटन पूर्व उप जिला शिक्षा अधिकारी ने किया

शहर के आस्था इमेजिंग सेंटर में एमआरआई मशीन का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर के राव तुलाराम चौक स्थित आस्था इमेंजिंग सेंटर में एमआरआई मशीन का उद्घाटन किया। मशीन का उद्घाटन पूर्व उप जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र यादव, डॉ. जेपी खेतान, चेयरमैन विजय सिंह यादव, यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन करण सिंह यादव व पूर्व मुख्याध्यापक रूपराम यादव ने किया। डॉ. महेश यादव रेडियोलॉजिस्ट डीएनबी ने बताया कि नए सेंटर में सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड, एक्स रे की सुविधा पहले से चल रही है। राजेंद्र सिंह यादव ने बताया कि महेंद्रगढ़ में यह सुविधाएं पहली बार शुरू हो रही हैं और वह भी लेटेस्ट तकनीक और हाई क्वालिटी की मशीन के द्वारा। इससे क्षेत्र के लोगों को काफी फायदा मिलेगा तथा उपचार के लिए दूसरों शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। इस अवसर पर मेजर सूरत सिंह, डॉ. आलोक शर्मा, डॉ. भूषण, डॉ. कुलदीप शर्मा, डॉ. मुकेश शर्मा, डॉ. देवेन्द्र यादव, डॉ. अमित राठौड़, राधेश्याम गोमला, डॉ. गजेंद्र, डॉ. मंजीत, डॉ. प्रदीप यादव, डॉ. राजीव यादव, डॉ. विकास ढींगड़ा, डॉ. नरेश यादव, कैलाश यादव, देवेंद्र यादव, डॉ. आरआरएस चौहान, डॉ. प्रशांत, डॉ. संतोष यादव, डॉ. सुकन्या शर्मा, डॉ. दीपक वत्स, डॉ. प्रियंका शर्मा, रामपाल, डॉ. स्वाति यादव, डॉ. सुनील यादव, डॉ. सचिन बंसल व अन्य मौजूद रहे।

9 महेंद्रगढ़। मशीन का उद्घाटन करते मुख्यातिथि। फोटो : हरिभूमि

प्रदीप अग्रवाल व विकास मराठा की सेवानिवृत्ति पर हैप्पी स्कूल ने दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल महेंन्द्रगढ़ में गणित अध्यापक प्रदीप अग्रवाल व विकास मराठा के सेवा पूर्ण करने पर विद्यालय के द्वारा विदाई सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सीनियर गणित अध्यापक प्रदीप अग्रवाल ने विद्यालय में 37 वर्ष पूर्ण समर्पण एवं निष्ठा के साथ कार्य किया व सीनियर गणित शिक्षक विकास मराठा ने 18 वर्ष पूर्ण समर्पण एवं निष्ठा के साथ कार्य किया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक निदेशक मनीष अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। संस्था के सभी विभाग प्रभारी और प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल ने मुख्य अतिथि के साथ मिलकर गणित अध्यापक प्रदीप अग्रवाल व विकास मराठा को शॉल भेंट किया तथा सेवा सम्मान स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने बताया कि जीवन में हमारी अधिकांश पहचान काम से जुड़ी हुई है, लेकिन सेवानिवृत्ति हमें अपने उद्देश्य पर पुनर्विचार करने और हम कौन हैं, इसे फिर से खोजने का अवसर देती है। अतिरिक्त समय का उपयोग इस बात पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करती है कि हमारे लिए कौन और क्या सबसे महत्वपूर्ण है। इस मौके पर शिक्षक मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। शिक्षकों को सम्मानित करते स्कूल स्टॉफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

सरस्वती स्कूल में प्रिया कुमारी रही अव्वल

नांगल चौधरी। सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। विभिन्न कक्षाओं में टॉपर रहे विद्यार्थियों को प्राचार्या वंदना यादव व एमडी अमित यादव ने सम्मानित किया। इस दौरान विद्यार्थियों को रोबोटेक शिक्षा पद्धति से अवगत कराया। प्राचार्या वंदना यादव ने बताया कि छठी कक्षा में परवेज कुमार ने प्रथम, कृतिका को दूसरा तथा रितिका ने तृतीय स्थान हासिल किया है। रिद्धिम, कुलदीप कुमार, लाविका कुमारी ने सातवीं कक्षा में क्रमश पहला, दूसरा तथा तृतीय रही।

सरकार वाटर लेवल ऊपर लाने का कर रही प्रयास

विधायक कंवर सिंह ने सिचाई विभाग के अधिकारियों के साथ किया गांवों का दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

विधायक महेंद्रगढ़ कंवर सिंह यादव ने रविवार को सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ राजावास, उष्मापुर, जेरपुर, मांड़ोला के गांव का दौरा किया। विधायक ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा गांव का वाटर लेवल ऊपर लाने के लिए अथक प्रयास कर रही है। हरियाणा में भाजपा सरकार ने भूजल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण जैसे संजीदा मसलों पर भी अनूठी योजनाएं लागू की हैं। जिनके सार्थक परिणाम सामने आए हैं। जिससे गांव और किसानों को इसका ज्यादा से ज्यादा फायदा मिल सके। विधायक ने कहा कि गांव मे कच्चे जोहड़ को नहरी पानी से जोड़ने पर सैकड़ो एकड़ में निरंतर गिर रहे भूजल स्तर में भी सुधार होगा। भूमिगत पानी की गुणवत्ता में भी सुधार आएगा। गांव मे कच्चे जोहड़ होने से बारिश के समय में भी गांव के लोगो का भरपूर फायदा मिलेगा। आसपास के क्षेत्र में गिरते भूजल स्तर को सुधारने के लिए गांव मे जोहड़ होना लाभदायक साबित होगा। इसके बाद विधायक कंवर सिंह यादव ने मार्केटिंग बोर्ड द्वारा माजरा खुर्द से खातोदिया की ढाणी में बनाई जा रही सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। विधायक कंवर सिंह यादव ने अधिकारियों को दिशा निर्देश भी दिए।

महेंद्रगढ़। अधिकारियों से जानकारी लेते विधायक। फोटो : हरिभूमि

पूर्व विधायक सीताराम ने भाजपा जिला अध्यक्ष के लिए किया आवेदन

मंडी अटेली। सत्तारूढ़ भाजपा के जिला अध्यक्ष के लिए रविवार को कुल 43 आवेदन जमा हुए हैं। इसके लिए पार्टी की तरफ से पत्र आया था। चुनाव प्रभारी कमल गुप्ता के समक्ष जिला अध्यक्ष बनने के लिए नामांकन जमा करवाये हैं। अटेली विधानसभा से पूर्व विधायक सीताराम, कनीना से सुरेश अत्री, गढ़ी निवासी बाछौद मंडल अध्यक्ष अशोक लांबा, सुरेश शर्मा, सत्यबीर सेहलंग व यतेंद्र राव शामिल हैं। वर्तमान जिला अध्यक्ष दयाराम का कार्यकाल पूरा होने वाला है। इसलिए पार्टी नये नेता को जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपने की तैयारी में है। वैसे भाजपा का जिला अध्यक्ष तीन साल के लिए होता है।

नारनौल। शहर में प्रभात फेरी निकालते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

राधे-राधे के जयकारों से भक्तिमय हुआ शहर

नारनौल। शहर की प्रसिद्ध धार्मिक संस्था प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में चैत्र मास के प्रथम रविवार को 130वीं प्रभात फेरी का आयोजन प्रातः छह बजे मोहल्ला शिवाजी नगर से से किया गया। प्रभात फेरी के मुख्य यजमान राजेन्द्र गर्ग महारानी वालों ने परिवार सहित ठाकुर जी की आरती करके सभी को चंदन तिलक लगाया। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे बच्चे, बूढ़े, पुरुष, महिला, नौजवान धर्म प्रेमी लोगों ने ढोल नगाड़ों की थाप पर नाचते गाते बजाते राधे नाम का जाप किया। प्रभात फेरी मुख्य यजमान के निवास स्थान से प्रारंभ होकर शनि मन्दिर चान्दुवाड़ा, पुल बाजार, सेन चौक, पुरानी सराय, पुरानी कचेहरी व शिवाजी नगर में भ्रमण करके प्रारंभ स्थल पर समाप्त हुई। परिक्रमा मार्ग में सभी ने एक भाव से प्रातः काल की बेला में ढोल नगाड़ों की थाप पर राधे नाम का स्मरण किया। वृंदावन, मथुरा, गोवर्धन, बरसाना की कुंज गलियों की तरह शहर भी ऐसे लगने लग गया है, जैसे हम किसी अलग दुनिया में आ गए हो। जहां पर केवल राधा नाम ही चलता हो। शुद्ध मन के साथ प्रकृति के हर जीव जंतु को भगवान का स्मरण करने में एक नई ऊर्जा प्राप्त हो रही थी। प्रभात फेरी संगठन की इस फेरी में लोगों ने ढोल मंजीरे बजाते हुए राधे राधे के जयकारें लगाए।

खुशखबरी नगर पालिका की ओर से पार्क के रखरखाव को टेंडर जारी

20 लाख रुपये से होगा शहर के हुड्डा पार्क का रखरखाव

महेश कुमार ▶▶| महेंद्रगढ़

गत माह आयोजित फाइनेंस कमेटी की बैठक में हुआ था प्रस्ताव पारित, नगर पालिका ने टेंडर किया जारी

नगर पालिका की ओर से चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क के रखरखाव के लिए एक एजेंसी को हायर किया जाएगा। एजेंसी को हुड्डा पार्क के एक वर्ष के रखरखाव के लिए 20 लाख रुपये की भुगतान किया जाएगा। नगर पालिका की ओर से पार्क के रखरखाव को टेंडर जारी कर दिया गया है। जल्द ही सभी प्रक्रियाएं पूरी कराई जाएगी।

बता दें कि शहर का एकमात्र चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क 13 साल पूर्व बनाया गया था। इस पार्क का उद्घाटन तत्कालीन सीएम चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने 20 मई 2012 को किया था। पार्क को दस एकड़ भूमि में विदेशी घास एवं पौधों के साथ विकसित किया गया था। पार्क में बच्चों के लिए झूले भी लगाए गए थे, लेकिन कुछ समय से पार्क का रखरखाव नहीं हो पा रहा था। लोगों का कहना था कि नगर पालिका का यह पार्क शहर के सबसे अच्छा पार्क है, लेकिन इन दिनों देख-रेख का अभाव बना हुआ है। इसके कारण यहां झूले टूट जाने के बच्चों को पार्क आना अच्छा नहीं लगता। इस स्थिति के कारण इनकी हालत दिन प्रतिदिन खराब होती चली जाती है। बच्चे इन झूलों से चोटिल हो रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि एक बार कोई भी झूला यदि टूट जाता है, तब इसकी तरफ लंबे समय तक ध्यान नहीं दिया जाता है। बच्चे फिर भी जिंद में इस पर खेलने का प्रयास करते हैं, ऐसे में इन पर चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। नगर पालिका के प्रधान रमेश सैनी का कहना है कि नगर पालिका की ओर से पार्क के रखरखाव के लिए एजेंसी को हायर किया जाएगा। एजेंसी एक वर्ष तक पार्क का रखरखाव करेंगी तथा एजेंसी को 20 लाख रुपये का भुगतान किया जाएगा। नगर पालिका की ओर से पार्क के रखरखाव का टेंडर जारी कर दिया गया है।

महेंद्रगढ़। चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क में टूटे पड़े झूले। फोटो : हरिभूमि

वर्षों से नहीं चल रहा फव्वारा

रणबीर सिंह हुड्डा पार्क की सुंदरता को बढ़ाने के लिए एक बड़ा फव्वारा सेट लगाया गया है। पार्क बनने के बाद यह फव्वारा सेट बहुत कम चला है। काफी सालों से फव्वारा एवं उसकी मोटर खराब पड़ी है। पार्क के गेट के पास छोटा फव्वारा लगा हुआ है वह भी खराब पड़ा है। इसके अतिरिक्त पार्क में कई जगह बिजली के नंगे तार है, जिससे कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि पार्क में सुविधाएं मुहैया करवाई जाए। इसके अलावा देखरेख के अभाव में घास की कटाई नहीं हो रहीं हैं। इसके अलावा दो साल पहले बनी ओपन जिम की भी हालात खस्ता होने लगी हैं। पार्क में सुबह-शाम घूमने आने वाले लगभग एक हजार लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।